(14) (1)

ॐ

Ques:— What do you mean by unconscious? What are the proofs for the existence of unconscious?

Ans:—

unconscious के nature का अध्ययन सम्पूर्ण असामान्य मनोविज्ञान का एक बहुत बड़ा हिस्सा को cover करता है। इसे विभिन्न अर्थों में अध्ययन किया जाता है। इसकी वैज्ञानिक व्याख्या करने के पूर्व इसके कुछ अन्य प्रयोगित अर्थों की विवेचना भी आवश्यक है।

(a) कुछ देखा, महसूस किया लेकिन जिसकी याद नहीं आती उसे unconscious मान लिया जाता है।

(b) जिस मानसिक कार्य की हम व्याख्या न कर सकें, उसे unconscious का अंग मान लिया जाता है।

(c) emotion में किए गए कार्यों को भी unconscious की प्रेरणा माना जाता है।

(d) कुछ लोग unconscious को मात्र ध्यान की अनुपस्थिति मानते हैं।

(e) कुछ काम व्यक्ति यंत्रवत् करता है और इस से unconscious mind की उपज मान ली जाती है।

आधुनिक मनोविज्ञान में unconscious का प्रयोग उपरोक्त अर्थों से भिन्न दो अर्थों में किया जाता है। इसके अनुसार, unconscious विभिन्न मानसिक विषयों का एक कोष मान है। ये मानसिक विषय अनावश्यक, हास्यास्पद तथा तिरस्कृत हुआ करते हैं। दूसरा अर्थ जिसका जन्म psychoanalysis के प्रवर्तक Freud ने दिया— के अनुसार व्यक्ति का मन समुद्र में तैरते हुए उस 'iceberg' के समान है जिसका ऊपरी भाग तो दिखाई पड़ता है लेकिन नीचला भाग जो अपेक्षाकृत बड़ा होता है, दिखाई नहीं पड़ता। पहला conscious mind है और दूसरा unconscious। इन दोनों के बीच में एक ऐसा भाग रहता है जिसे sub-conscious कहते हैं।

Scanned with CamScanner

unconscious से conscious mind में आने से पहले भावनाएं इसी sub conscious में पड़ी रहती हैं। FREUD के अनुसार unconscious dead नहीं होता बल्कि प्रभावशाली तथा dynamic होता है। इसके विषय निष्क्रिय नहीं होते बल्कि जीवित और सक्रिय होते हैं। व्यक्ति के व्यवहार के निर्धारण में इन विषयों का गहरा प्रभाव पड़ता है।

Freud ने mind के topographical aspect के अन्तर्गत unconscious mind को व्यक्ति की उन समस्त दमित इच्छाओं का एक ऐसा भंडार माना जिनकी उत्पत्ति मुख्यतः बाल्यावस्था की ~~दमित इच्छाओं~~ दुखद अनुभूतियों से होती है। J.F. Brown के अनुसार — " unconscious is that vast part of mind which either never was conscious, if previously conscious, has now been repressed.".

unconscious की निम्नलिखित विशेषताएं होती हैं :—

① अचेतन दमित काम इच्छाओं तथा मूल प्रवृत्तियों का भंडार है।

② इसके विषय अर्थात इच्छाएं सक्रिय होती हैं।

③ अचेतन में दो विरोधी आवेग बिना संघर्ष के रह सकते हैं।

④ इस पर नियंत्रण संभव नहीं।

⑤ इसको projective technique तथा psychoanalytic method के द्वारा जाना जा सकता है।

⑥ अचेतन आत्मकेन्द्रित होता है।

⑦ यह न तो नैतिक है और न अनैतिक।

⑧ यह निषेध नहीं मानता।

⑨ यह logical thinking से दूर है।

⑩ यह Pleasure principle से निर्देशित होता है।

Freud के अनुसार unconscious

में सिर्फ sexual desires का ही दमन होता है। लेकिन Adler ने sexual desire के बदले "will to power" का दमन माना। इस के अलावा Jung ने "will to life" का दमन स्वीकार किया। Jung के अनुसार unconscious दो प्रकार के होते हैं :—

① Personal unconscious :— इस प्रकार की इच्छाएँ जिनका दमन होता है वे व्यक्तिगत भी होती हैं। Freud इसी individual unconscious को सम्पूर्ण unconscious मानता था।

② Collective or racial unconscious :—
Jung के अनुसार, सामूहिक अचेतन उपरोक्त व्यक्तिगत अचेतन से अधिक बड़ा और महत्वपूर्ण होता है। इसका निर्माण वंशानुक्रम से प्राप्त संस्कारों से होता है। पूर्वजों के संस्कार के रूप में कई अचेतन गुण एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में चलती रहती है, जैसे शिकार खेलना, नग्न रहना आदि।

इस प्रकार हम पाते हैं कि unconscious के भी अस्तित्व के सम्बन्ध में किसी को भी दो मत नहीं है। लेकिन इस unconscious में कौन-2 विषय रहते हैं — इसके संबंध में एक मत नहीं है। Freud sex पूर्ति को, Adler शक्ति इच्छा को तथा Jung ने जीने की इच्छा को अचेतन का विषय माना। सच पूछें तो कोई भी विचार अपने आप में पूर्ण नहीं कहा जा सकता। तीनों को मिलाकर ही unconscious के nature की सही व्याख्या हो सकती है। फिर भी महत्व के दृष्टिकोण से पहले Jung, फिर Adler और अन्त में Freud के विचार को रखा जा सकता है।

unconscious के अस्तित्व के बारे में कई महत्वपूर्ण सबूत पेश किए जाते हैं जो इस प्रकार हैं :—

① Post Hypnotic suggestion :— किसी व्यक्ति को

सम्मोहित कर कुछ सुझाव दिए जाते हैं और व्यक्ति को उसके अनुसार काम करना पड़ता है। Bernheim ने एक व्यक्ति को सम्मोहित कर एक खास समय में एक खास काम करने का सुझाव दिया। देखा गया कि सम्मोहनावस्था समाप्त हो जाने पर उस व्यक्ति ने वैसा ही किया। सम्मोहनावस्था की बातें उस व्यक्ति की चेतना में नहीं थीं किन्तु फिर भी उसने सुझाव के मुताबिक काम किया। यह unconscious के अस्तित्व का ही तो प्रमाण है।

② Psychopathology of everyday life :— दैनिक जीवन की मनोविकृतियाँ जैसे - बोलने, लिखने, वस्तुओं को ठीक जगह रखने, नाम स्मरण रखने आदि क्रियाओं में जो भूलें होती हैं, वे अकारण तथा संयोगवश नहीं होतीं बल्कि इसकी प्रेरणा unconscious mind से ही मिलती हैं। इस दिशा में किए गए अन्य अध्ययनों तथा cases के reports से इस conclusion की पुष्टी होती है। (Freud, Brown, Jones, Brill etc.)

③ Dream analysis :— स्वप्न के विश्लेषण से भी unconscious का प्रमाण मिलता है। Freud के अनुसार तो — " Dreams are the royal road to unconscious." अचेतन की तिरस्कृत तथा अस्वीकृत इच्छाएँ स्वप्नों में प्रतीकों के सहारे भेष बदलकर प्रकट होती हैं। स्वप्न इन्हीं अचेतन इच्छाओं की संतुष्टी का एक माध्यम है।

④ Sudden solution of the Problems :— सोकर उठने या कुछ समय बाद किसी समस्या का अचानक समाधान पा लेने जैसे व्यवहार, अचेतन के अस्तित्व को ही प्रमाणित करते हैं।

⑤ Symptoms of mental diseases :— अधिकांश मानसिक रोगों की उत्पत्ति अचेतन की दमित इच्छाओं से ही होती है। Hysteria के रोगियों के इलाज के क्रम में देखा गया है कि वे गतिशील अचेतन विचारों से भरे होते हैं। एक युवती ने अपने बीमार ~~पति~~ पिता की सेवा की ~~[illegible]~~

दुःख भावना के चलते अपने love affairs का परित्याग कर दिया और उसे भूल जाने की पूरी कोशिश की। उसकी यह इच्छा चेतन से तो हट गई किन्तु अचेतन में बनी रही। अतः में उसमें hysterical paralysis के लक्षण विकसित हो गए। स्पष्ट है कि बिमारीयों के लक्षण भी अचेतन के अस्तित्व की ओर इंगित करते हैं।

(6) Free-association and Psychotherapy:— स्वतंत्र साहचर्य की पद्धति का प्रयोग कर व्यक्ति की अचेतन इच्छाओं का विश्लेषण किया जाता है। इस कार्य में अन्य psycho-therapeutic methods भी प्रयोग में लाए जाते हैं।

(7) Defense mechanisms:— विभिन्न मनोरचनाएं, जैसे, projection, Rationalization, Identification, sublimation इत्यादि सभी अचेतन संघर्षों का ही समाधान करती हैं। Sears, Bellak आदि के प्रयोगात्मक अध्ययनों से इन मनोरचनाओं की प्रायोगिक जाँच हुई है और स्वभावतः इनसे अचेतन का अस्तित्व भी प्रमाणित होता है।

आधुनिक व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिक अचेतन के अस्तित्व में फिर भी पूरा-पूरा विश्वास नहीं रखते इसे केवल arm chair speculation मानते हैं। इनके अनुसार मानसिक घटनाओं की व्याख्या बिना unconscious की सहायता लिए हुए S-R तथा conditioning आदि प्रक्रियाओं के माध्यम से भली-भांति हो सकता है। जो हो, unconscious की धारणा आज भी वैज्ञानिक जाँच की अपेक्षा रखती है।

R [illegible]

Scanned with CamScanner